मनभावन सावन

सुमित्रानंदन पंत

झम-झम-झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के,
छम-छम-छम गिरती बूँदे तरुओं से छन के ।
चम-चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम-थम दिन के तम में सपने जगते मन के ।।

पंखों-से रे, फैले-फैले ताड़ों के दल,
लंबी-लंबी उँगलियाँ हैं, चौड़े करतल ।
तड़-तड़ पड़ती धार वारि की उन पर चंचल,
टप-टप झरतीं कर मुख से जल बूँदें झलमल ।।

नाच रहे पागल हो ताली दे-दे चल-चल,
झूम-झूम सिर नीम हिलाती सुख से विह्वल ।
हरसिंगार झरते बेला-कली बढ़ती प्रतिपल,
हँसमुख हरियाली में खग-कुल गाते मंगल ।।

दादुर टर-टर करते झिल्ली बजती झन-झन,
'म्याव-म्याव' रे मोर 'पीउ-पीउ' चातक के गण ।
उड़ते सोन बालक, आर्द्र सुख से कर क्रंदन,
घुमड़-घुमड़ घिर मेघ गगन में करते गर्जन ।।

रिमझिम-रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते, छूते वे भीतर अंतर ।
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण-कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर ।।

पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेरकर गाओ सावन ।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर-फिर आए जीवन में सावन मनभावन ।।

शब्दार्थ :

मेघ	-	बादल
तरु	-	पेड़
उर	-	हृदय
घन	-	बादल
वारि	-	जल, पानी
रज	-	मिट्टी

अनुशीलनी

१. समझो और लिखो :

(i) प्रस्तुत कविता के कवि कौन हैं ?

(ii) पेड़ कैसे लगते हैं ? वर्षा का उन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(iii) सावन की वर्षा का पक्षियों पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(iv) कवि का मन क्या चाहता है ?

(v) 'इन्द्र-धनुष के झूले में झूलें मिल सब जन''- पंक्ति का क्या अभिप्राय है ?

२. पठित कविता की पंक्तियों को याद करो और लिखो :

निम्नलिखित शब्दों को पढ़ो :

झम - झम

चम - चम

थम - थम

तड़ - तड़

टर - टर

झूम - झूम

घुमड़ - घुमड़

३. पठित कविता के आधार पर एक चित्र बनाओ ।

❖ ❖ ❖